सामाजिक विज्ञान

कक्षा 7

(इतिहास)

Chapter 4: मुग़ल: सोलहवीं से सत्रहवीं शताब्दी

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

फिर से याद करें

प्रश्न 1. सही जोड़े बनाएँ:

मनसब	मारवाड़
मंगोल	उज़बेग
सिसौदिया राजपूत	मेवाड़
राठौर राजपूत	पद
नूरजहाँ	जहाँगीर

उत्तर :

मनसब	पद
मंगोल	उज़बेग
सिसौदिया राजपूत	मेवाड़
राठौर राजपूत	मारवाड़
नूरजहाँ	जहाँगीर

प्रश्न 2. रिक्त स्थान भरें:
(क) दक्कन की पाँचों सल्तनत बरार, खानदेश, अहमद नगर,_____और_____ थीं।
(ख) यदि जात एक मनसबदार के पद और वेतन का द्योतक था, तो सवार उसके_____को दिखाता था।
(ग) अकबर के दोस्त और सलाहकार, अबुल फ़ज़्ल ने उसकी_____ के विचार को गढ़ने में मदद की जिसके द्वारा वह विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और जातियों से बने समाज पर राज्य कर सका।
उत्तर:-
(क) दक्कन की पाँचों सल्तनत बरार, खानदेश, अहमद नगर, **बीजापुर** और **गोलकुंडा** थीं।
(ख) यदि जात एक मनसबदार के पद और वेतन का द्योतक था, तो सवार उसके **सैन्य उत्तरदायित्व** को दिखाता था।
(ग) अकबर के दोस्त और सलाहकार, अबुल फ़ज़्ल ने उसकी **सुलह-ए-कुल** के विचार को गढ़ने में मदद की जिसके द्वारा वह विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और जातियों से बने समाज पर राज्य कर सका।

प्रश्न 3: मुगल राज्य के अधीन आने वाले केंद्रीय प्रांत कौन-से थे?
उत्तर: मुगल राज्य के अधीन आने वाले केंद्रीय प्रांत लाहौर, कश्मीर, कांधार, पंजाब, सिंध, गुजरात तथा मालवा थे।

प्रश्न 4: मनसबदार और जागीर में क्या संबंध था?
उत्तर: मुगलों की सेवा में आने वाले नौकरशाह 'मनसबदार' कहलाते थे। मनसबदार शब्द का प्रयोग ऐसे व्यक्तियों के लिए था जिन्हें कोई मनसब अर्थात् कोई सरकारी दायित्व या पद मिलता था। मनसबदार अपना वेतन जिस भूमि के राजस्व से प्राप्त करते थे, उसे जागीर कहते थे। जागीरो से मिलने वाला राजस्व और मनसबदारों का वेतन लगभग समान होता था।

आइए समझें

प्रश्न 5: मुगल प्रशासन में ज़मींदार की क्या भूमिका थी?
उत्तर: मुगल प्रशासन में जमीदारों का मुख्य कार्य किसानों से राजस्व एकत्रित करना था। वे एकत्रित किए गए राजस्व को सरकारी खजाने में जमा कराते थे।

प्रश्न 6: शासन-प्रशासन संबंधी अकबर के विचारों के निर्माण में धार्मिक विद्वानों से होने वाली चर्चाएँ कितनी महत्त्वपूर्ण थीं?
उत्तर: शासन प्रशासन संबंधी विचारों के निर्माण के लिए अकबर ने विभिन्न धर्मों के विद्वानों से चर्चाएं शुरू की। इन चर्चाओं से अकबर की समझ बनी की जो विद्वान धार्मिक रीति-रिवाजों और मतांधता पर बल देते हैं वह अक्सर कट्टर होते हैं। धार्मिक चचाओं के अनुभव से अकबर ने प्रशासन में सहिष्णुता की नीति को अपनाया जिसमें शांति और न्याय पर बल था।

प्रश्न 7: मुगलों ने खुद को मंगोल की अपेक्षा तैमूर के वंशज होने पर क्यों बल दिया?
उत्तर: मुगल दो महान शासकों के वंशज थे। माता की ओर से वे मंगोल शासक चंगेज खान के वंशज थे। पिता की ओर से वे तुर्की के शासक तैमूर के वंशज थे। मुगल अपने को मंगोल कहलवाना पसंद नहीं करते थे। ऐसा इसलिए था, क्योंकि चंगेज खान से जुड़ी स्मृतियाँ सैंकड़ों व्यक्तियों के नरसंहार से संबंधित थीं। मुगल, तैमूर के वंशज होने पर गर्व का अनुभव करते थे ज़्यादा इसलिए क्योंकि उनके इस महान पूर्वज ने 1398 में दिल्ली पर कब्जा कर लिया था।

आइए विचार करें

प्रश्न 8: भू-राजस्व से प्राप्त होने वाली आय मुगल साम्राज्य के स्थायित्व के लिए कहाँ तक जरूरी थी?
उत्तर: भू-राजस्व, राज्य की आय का प्रमुख स्रोत था। राज्य के खर्चे जैसे मनसबदारों कलाकारों, मजदूरों तथा अन्य सरकारी कमचारियों राजस्वर पर ही आश्रित थी। सभी प्रशासनिक काम इस आय द्वारा ही पूरे होते थे।

प्रश्न 9: मुगलों के लिए केवल तूरानी या ईरानी ही नहीं, बल्कि विभिन्न पृष्ठभूमि के मनसबदारों की नियुक्ति क्यों महत्त्वपूर्ण थी?
उत्तर: आरंभ में मुगलों ने केवल तूरानी या ईरानी मनसबदारों की नियुक्ति की। परंतु धीरे-धीरे उन्होंने भारतीय मुसलमानों, अफगानों, राजपूतों, मराठों आदि विभिन्न पृष्ठभूमि के मनसबदारो को नियुक्त किया। इससे मुगलों कों भारत में अपने शासन करने का विस्तार करने में सहायता मिली।

प्रश्न 10: मुग़ल साम्राज्य के समाज की ही तरह वर्तमान भारत आज भी अनेक सामाजिक और सांस्कृतिक इकाइयों से बना हुआ है? क्या यह राष्ट्रीय एकीकरण के लिए एक चुनौती है?
उत्तर: आज भी मुगल साम्राज्य की तरह भारत अनेक सामाजिक और सांस्कृतिक इकाइयों से बना हुआ है यह राष्ट्रीय एकीकरण के लिए चुनौती है क्योंकि विभिन्न सामाजिक समुदायों के बीच आपसी मनमुटाव विद्रोह का कारण बन जाता है जो राष्ट्रीय एकता को प्रभावित करता है।

प्रश्न 11: मुगल साम्राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए कृषक अनिवार्य थे। क्या आप सोचते हैं कि वे आज भी इतने ही महत्त्वपूर्ण हैं? क्या आज भारत में अमीर और गरीब के बीच आय का फासला मुगलों के काल की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ गया है?
उत्तर: मुगल साम्राज्य की तरह आज भी कृषक उतने ही महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है। आज भारत में अमीर और गरीब के बीच आय का फासला मुगलों के काल की अपेक्षा कहीं अधिक बढ़ गया है।

आइए करके देखें

प्रश्न 12. मुग़ल साम्राज्य का उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों पर अनेक तरह से प्रभाव पड़ा। पता लगाइए कि जिस नगर, गाँव अथवा क्षेत्र में आप रहते हैं, उस पर इसका कोई प्रभाव पड़ा था?
उत्तर: छात्र स्वयं करें।

MUKUTclasses